



# विराजिडों की रानी नागराज

मुफ्त  
नागराज का एक पोस्टर





# नागराज और पिरामिडों की रानी

लेखक: लक्ष्मण कुमार वर्मा  
कल्पक: मनीष चंद्र मुस्त  
कथा निर्देशक: प्रताप मुखर्जी  
चित्र: चन्दू  
सुविध: उदय भास्कर

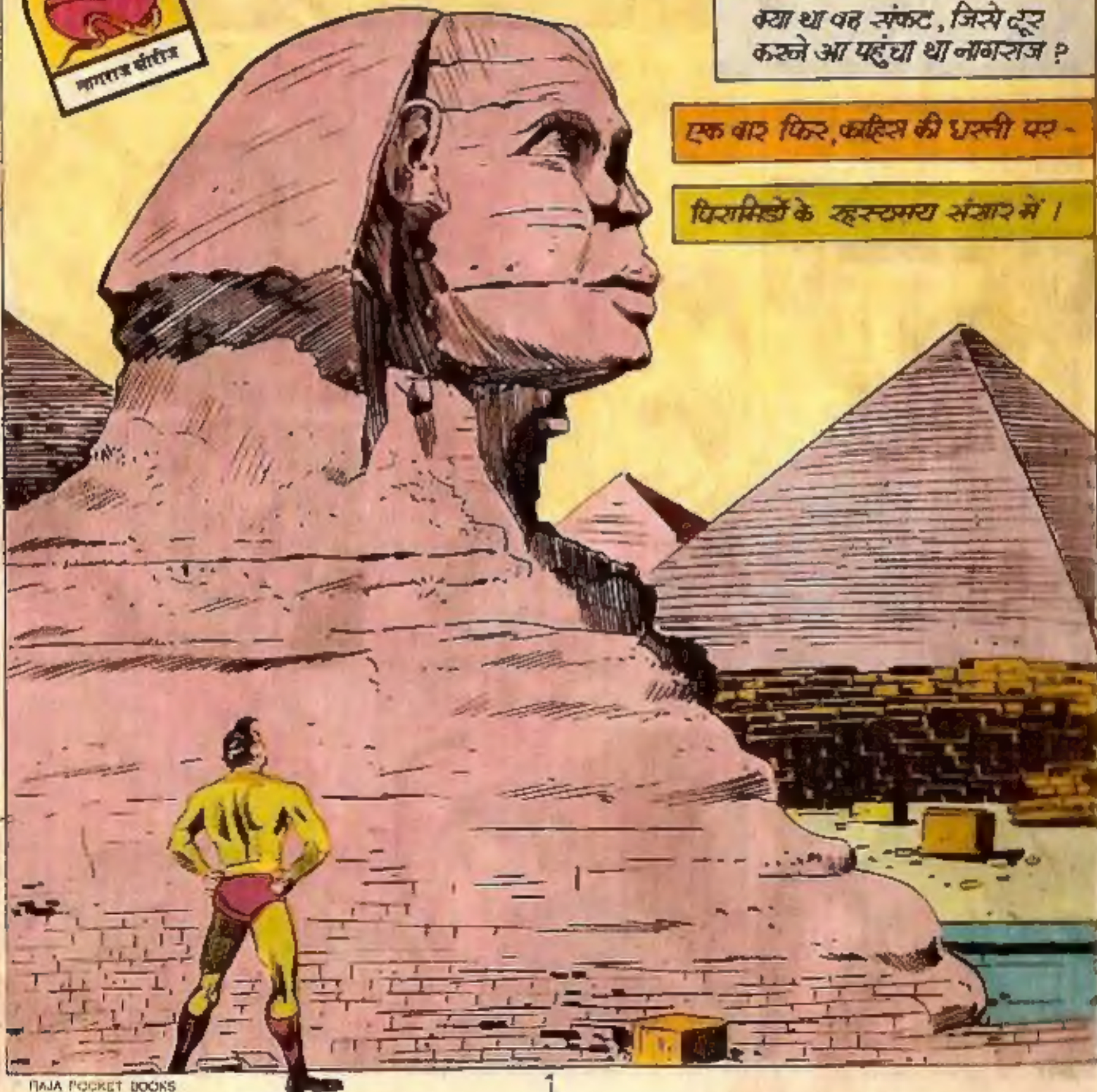


रहस्यमय पिरामिडों के देश मिस्र की राजधानी,  
काहिरा! जहाँ आजकल मंडसया था एक अभूतपूर्व संकट!

क्या था वह संकट, जिसे दूर  
करने आ पहुँचा था नागराज?

एक बार फिर, काहिरा की धरती पर -

पिरामिडों के रहस्यमय संसार में।





भारत- एक्ज फूड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ॥ विज्ञापन  
से बच्चों के लिए बनी पौष्टिक एवं अतिस्वादित  
डबलरोटी 'जेप्सी' के वितरण के लिए फैक्टरी से  
बाहर निकाला कम्पनी का वह ट्रक ॥



और पप्पू बेकरी पर मची थी  
धूम-

PARBU BAKERY



एक दिन पहले बाजार में  
आई 'जेप्सी' के दीवाने, ये बच्चे -



झोल ॥ झोल ॥ 'जेप्सी' का एक  
भाला ही होगा जेप्सी-पुंड लेकर  
वो वो आ बच्ची जेप्सी।







जरा मी तो स्लोफ नही स्थाया था मासूम ने-



कैसा करिडमा था? कैसी थी ये विडम्बना?





अगर वह आत्महत्या नहीं थी तो ये क्या था?

उसी की तरह यह मासूम खुद ही मूल गई थी फांसी के फंदे से।

इंस्पेक्टर मोहन भण्डारी का बेटा -

पापा के सर्विस रिपॉजिट की एक गोली मुझे सदा की नींद सुला देगी।





और लूफान मच गया तैब में। चीख पड़े तैब  
इंचार्ज मिस्टर कणेश -

अरे बेटा, जो है...  
वो बिम्का नहीं,  
सायन्यूट्रिक एरिड  
है... उफ...

उफ! धारों  
को क्या सूझी  
आत्महत्या की?

आह

भारत के कोने-कोने से आ रहे थे बच्चों  
द्वारा आत्महत्या करने के समाचार ।

यूरोप-बुलगारिया की राजाणी, सोफिया -

सोफिया शीप की ओट बंद रहा था बच्चों का वह झुण्ड-

श्रील में  
खुकर भरना  
है मुझे ।

सोफिया डीग  
बनेगी मेरी  
कद ।

इस! आत्महत्या करने का कैसा भूत  
आ स्वार आ बच्चों पर!

अरे, ये बच्चे  
झीप में क्यों  
कूद जाते हैं ?

पबक अपकने ही शीतल पद  
मातम का श्वा दूध दिखने लगा ।



फ्रांस की राजधानी पेरिस -



विश्व का एक  
अडार्च-एफिल  
टॉवर ।



बग़्गे-मुन्नों की वह लोथी क्या  
संघ रही है

इतनी ऊँचाई से  
बिड़ कर एक ऐनि-  
हासिक मौन  
मिलेगी मुझे !

एफिल  
टॉवर से बिड़  
कर मैं सचमुच  
जिन्द नहीं  
बचूँगा ।



और चीखें निकल गई अन्य  
पर्यटकों के मुँह से-

बच्चों एफिल टॉवर  
से कूद गए हैं ।

बच्चों द्वारा  
आत्महत्या !



एशिया-प्रधान हॉन्कॉंग -



अगर मैं वे  
बोट दूसरी बोट से  
टकरा दूँ - तो मेरे जिन्म  
के घोघड़े उड़ जायेंगे । वाह !  
अब होगी एक घात-  
दार मौत ।



चिखते ही तो उड़ा मिझे  
हे अपने अपने डिम्बके-



कुर्कैत - स्थान, आपकुर्कैत।



कार के पेट्रोल टैंक में आग दो आत्महत्या हुई  
तीनी। और हो जाये अल्लाह को प्याये



बारूद के समान फट गई कार।



हंसते-हंसते खुद को मांस के गोष्ठियों में बदल  
बिठा था मौत के उस दीवाने ने।

विश्व के छोटे-बड़े देश हैरान थे। दुनिया भरके बच्चों पर  
अहं कैसा प्रभावजन सकार हो गया था।



बच्चों द्वारा आत्महत्याओं की बढ़ती आवाज थी।  
विश्व की जासूसी एजेंसियां एकदम सक्रिय  
हो उठीं।

लेकिन परिणाम की...



नागराज !

प्रोफेसर नागमणि का  
आविष्कार !

बाबा गोरखनाथ  
का शिष्य ।

मानवता का रक्षक !

जिसके जन्म में  
गम्य करने हैं  
सैकड़ों वर्ष उसके  
इसारे पर हम  
की दुनिया में  
स्वर्णयुगीन मय  
हैं जो ।

लेकिन आज खुद  
नागराज के मन-मस्तिष्क  
में मची थी स्वाध्यायी !

इतना बेधेन ! इतना  
स्तब्ध कभी न रहा था  
नागराज !

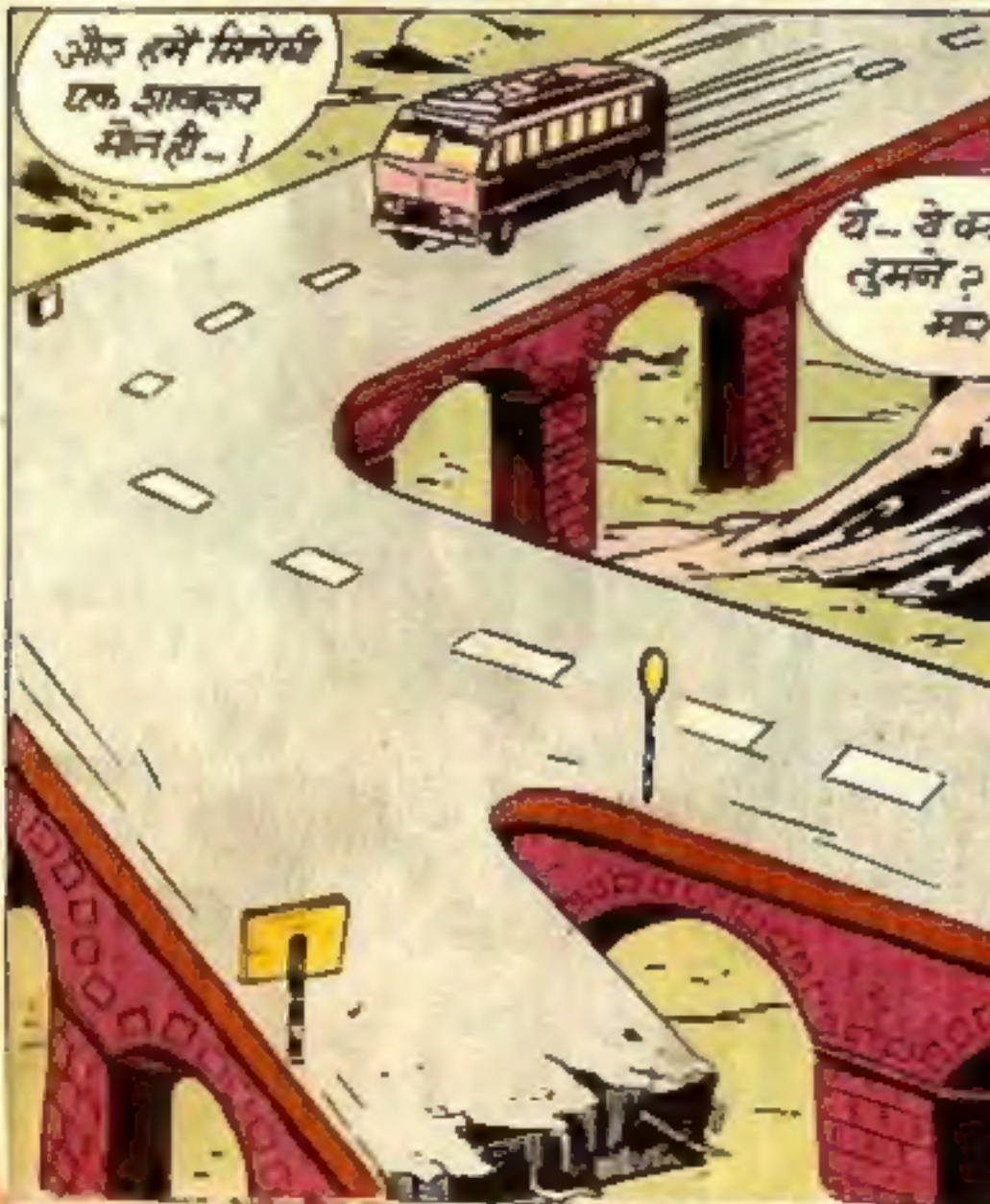
विश्व के मायूम  
कर्णधारों द्वारा आत्महत्या  
की प्रवृत्ति के जन्म लेने के  
पीछे कौन सी अंतर्निहित शक्ति  
है, मुझे पता लगाना  
है उसका ।





इसकी के उत्तर में क्या (वीर हज़ार की कुल आबादी वाला) पिछे का सबसे बड़ा देश बन-मैरिज !

होपी-क्राउन्ट पब्लिक स्कूल की वह बस बज्रहाज्रों की लेकर अपना संचालन का सफर तय कर रही थी...



क्या मैं नष्ट हुई थीने-पुकार ! मौन के आलोक से जो हो जाए वे अन्य कुछ-कुछों, जिन्हें मौन की चाहत नहीं थी।





हमपां सड़क पर लूफान स्त्री गति  
एकड़ापि थी बिना झुड़पर की बसने -

हा-हा-हा!  
कुछ पाप बाद मिलेगी  
एक शानदार मौन -

HELP!  
HELP!

शावधान!  
आने पुन  
क्षतिग्रस्त है!

OH, GOD!  
HELP US!

कई मायूम जिन्दगियों और उनकी मौन के बीच  
थ केवल कुछ ही मीटर का फायाय।

जिसे बदन न दिया छ नागरस्त्री ने -

नागरस्त्री, जिसका अर्थ थ - नागराज की मौजूदगी

मौन की दहअन से धरधर कांपने लगे -

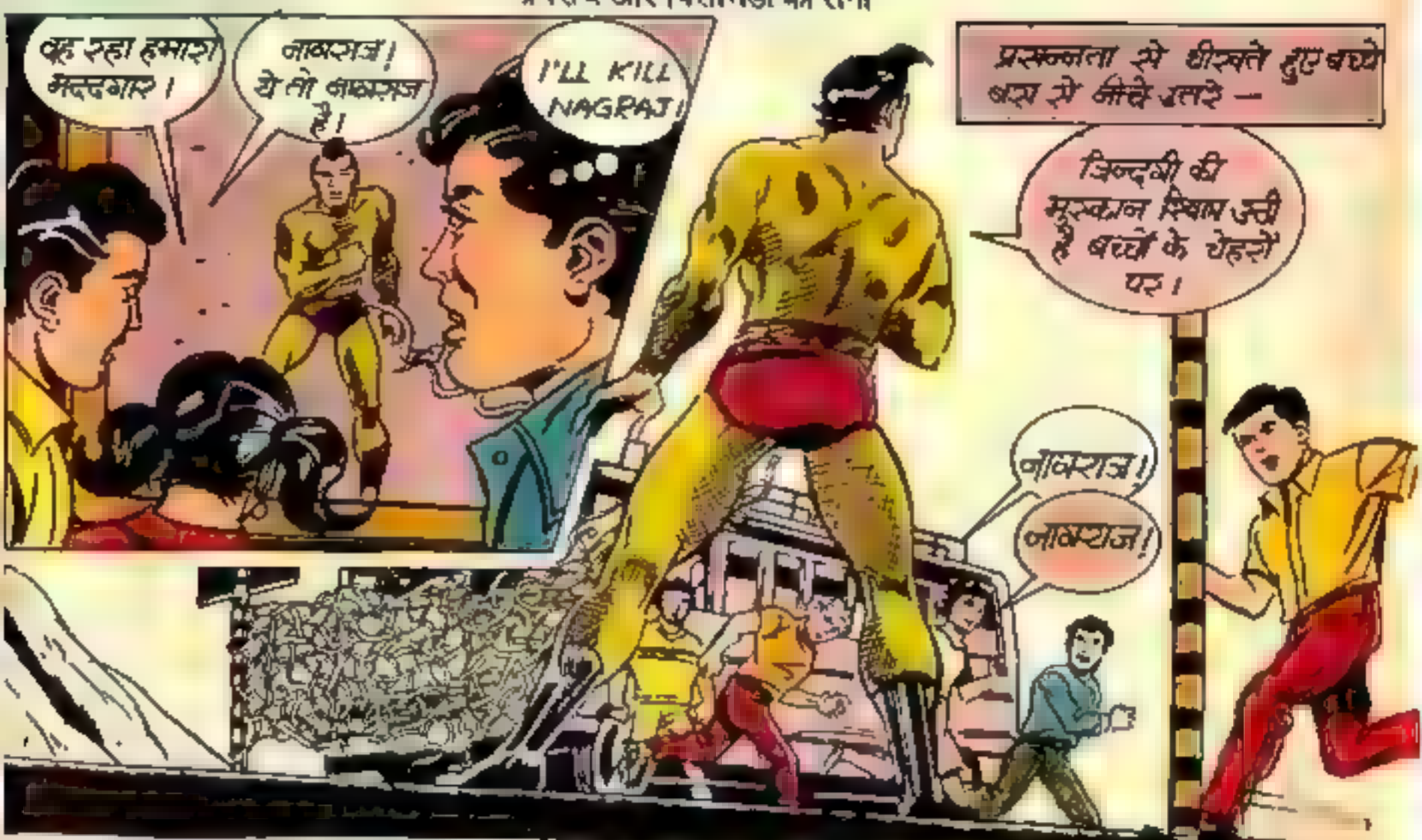
अरे!

ये क्या कैसे  
जक गई?

शानदार मौन  
का सपना  
किसने तोड़ा?

अगर मुझे एक पाप  
देर हो जाली तो बस  
गहरी ज्वाई में  
जा बिरली।



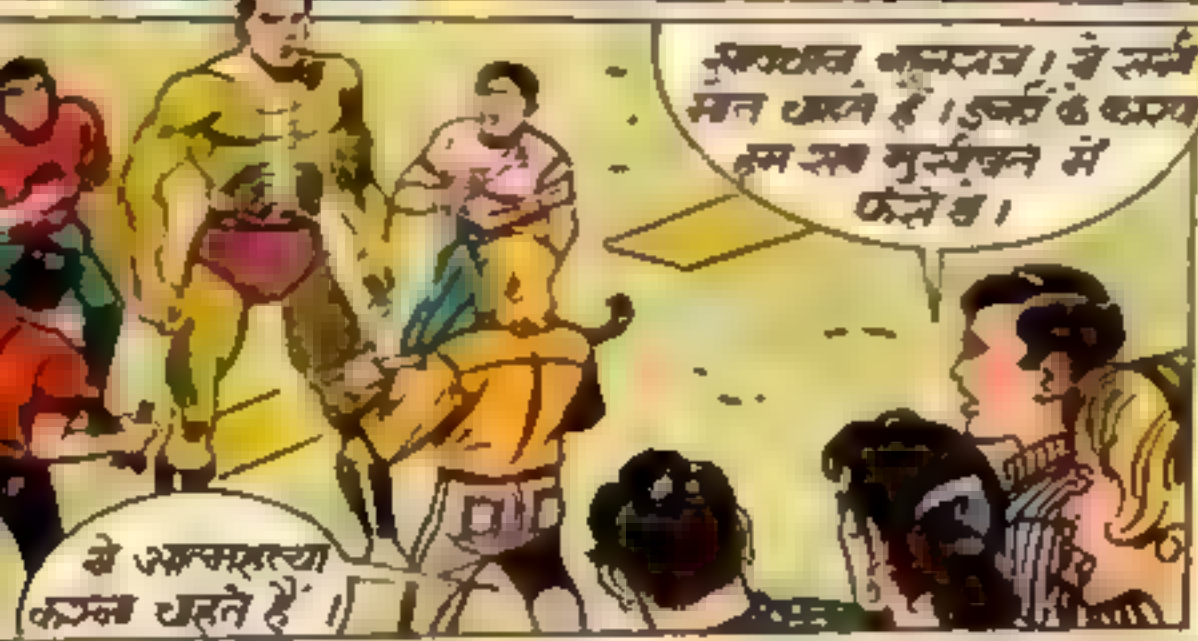
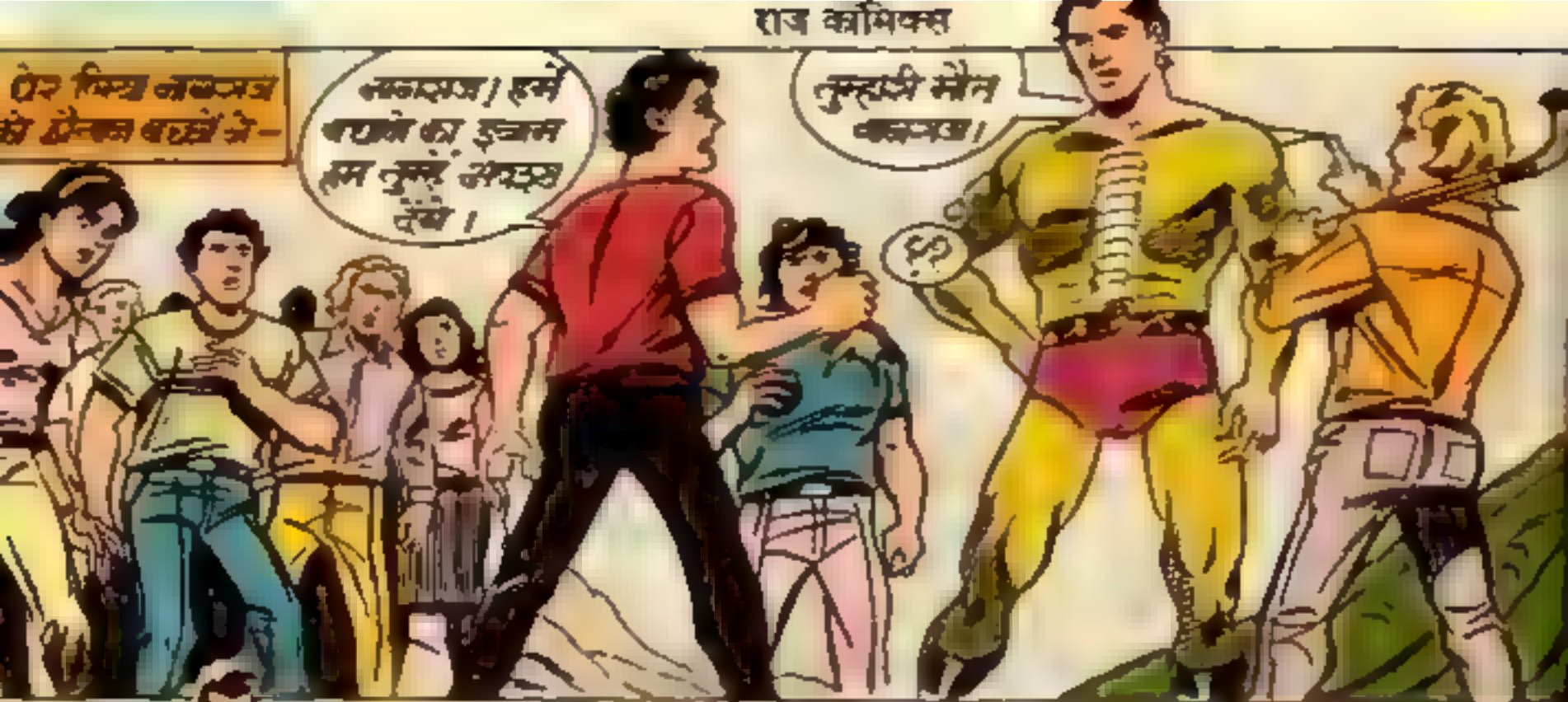




ऐस किया नक़्क़ा  
हो ऐसका बख़्तों ने-

नक़्क़ा। हमें  
बख़्तों का इज्जत  
हम तुम्हें नक़्क़ा  
देवें।

तुम्हारी मौत  
कक़्क़ा।



नक़्क़ा नक़्क़ा। वे लम्बे  
मौत जानें हैं। इन्हीं के कारण  
हम सब मुरख़ान में  
फ़ले हैं।

तुम्हें तरह से उस चोंक एल कक़्क़ा

आक़्क़ा  
अह!

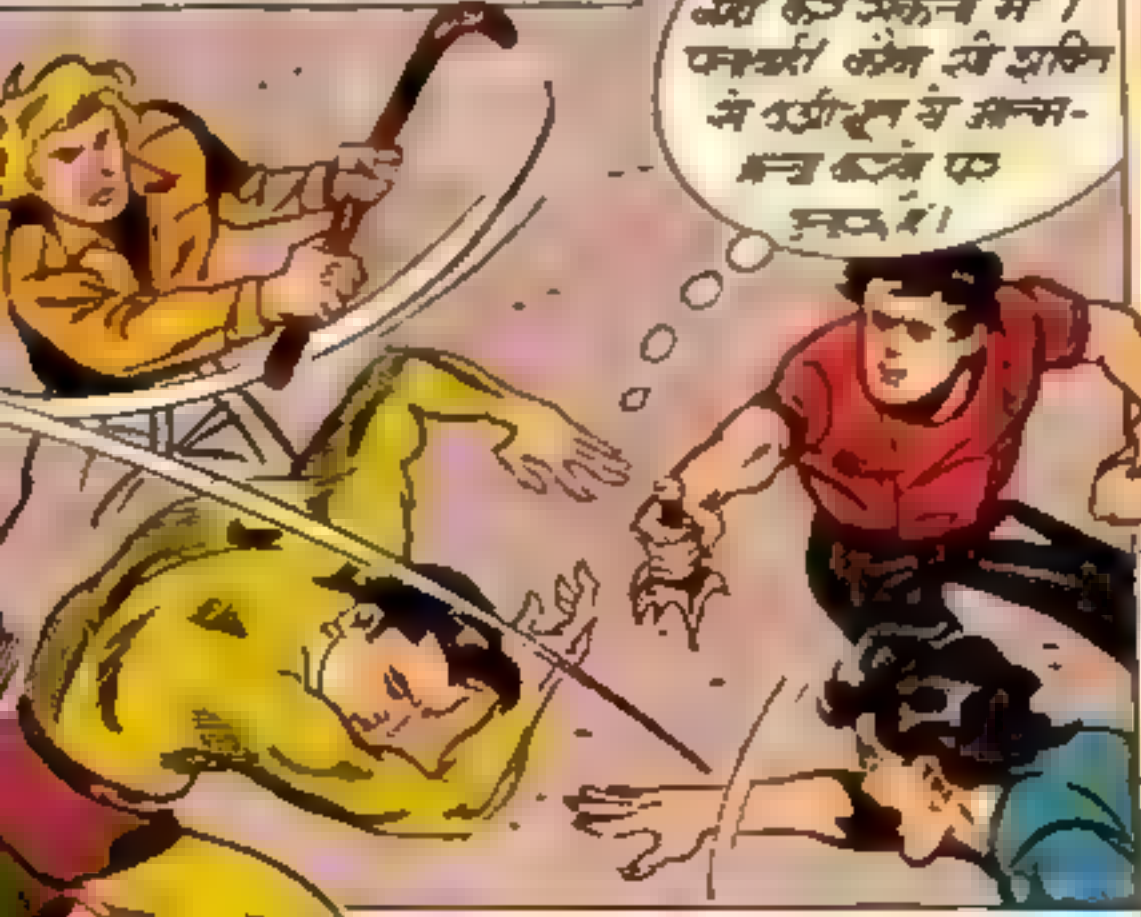


सब एक साथ दूट पड़े बग़ल पर-

इस नक़्क़ा पर वर  
करी का मक़्तब मैं।  
फ़ाक़री केंद्र से इति  
में उड़ी हूँ ये मक़्त-  
बन कक़्क़ा पर  
झक़्क़ा।

नक़्क़ा ने उन्हें बेमोता कर देखा हो  
रग़िन समझ किन्तु -

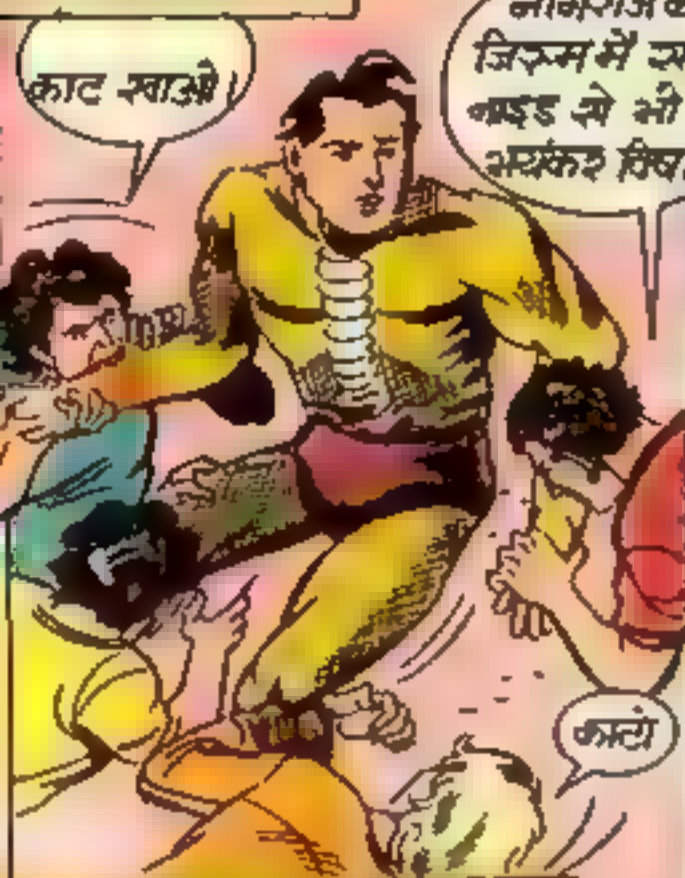
कक़्की विष-  
पुंजाइ इन्हें चंदा  
का देना।



करी, हमें  
बेमोता करी देना  
हमें मक़्तब



इस दुष्ट की तो कल्पना भी नहीं कर  
सकता था नागराज -



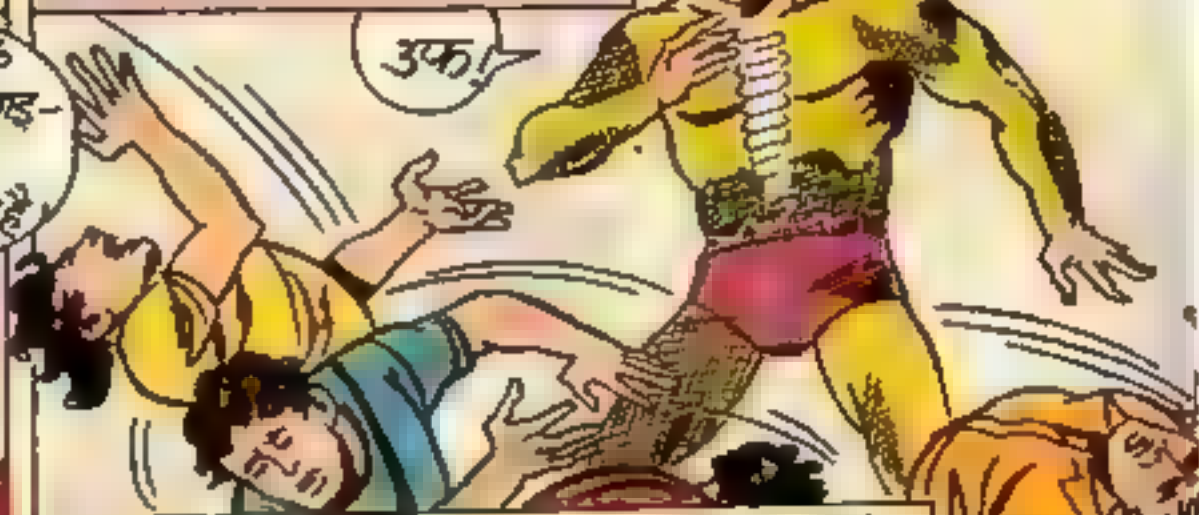
काट खाओ।

नागराज के  
जिस्म में यह-  
बाइड से भी  
भयंकर विष है।

क्यों

लौन बढ़ा दियो क्यों बच्चों में  
नागराज के असीरत पर।

उना ख खड़ा रह गया नागराज।



उफ!

भयंकर विष समझा क्या क्या था ऊर्क जिस्मों में।

पिछाने चले गए लक्षण विष के प्रभाव में उड़ी उन मायूमों के



आत्महत्या का  
मुकुल संसार था  
इस पर तो।

नागराज से सब  
मांसे बचे ?

मैं जानती थी वे  
खुद को जकम  
कर देंगे।

किन्तु मेरा ही जिस्म इनकी  
मौत का कारण बन गया।

नागराज! आन-  
मरिजों में आजकाल तो  
ही चीखें बच्चों के लिए  
रक्तस्राव का  
विषय हैं।



जेप्पी ब्रेड! ओं  
आत्महत्या।

जै-  
जेप्पी ?



हैं नागराज! हमसे भी भुजा  
है जेप्पी ब्रेड के विषय में। बच्चों  
जेप्पी के दीवाने हो गए हैं  
नागराज!

मैं पिछले दो  
दिनों से दंड खा  
हूँ जेप्पी।

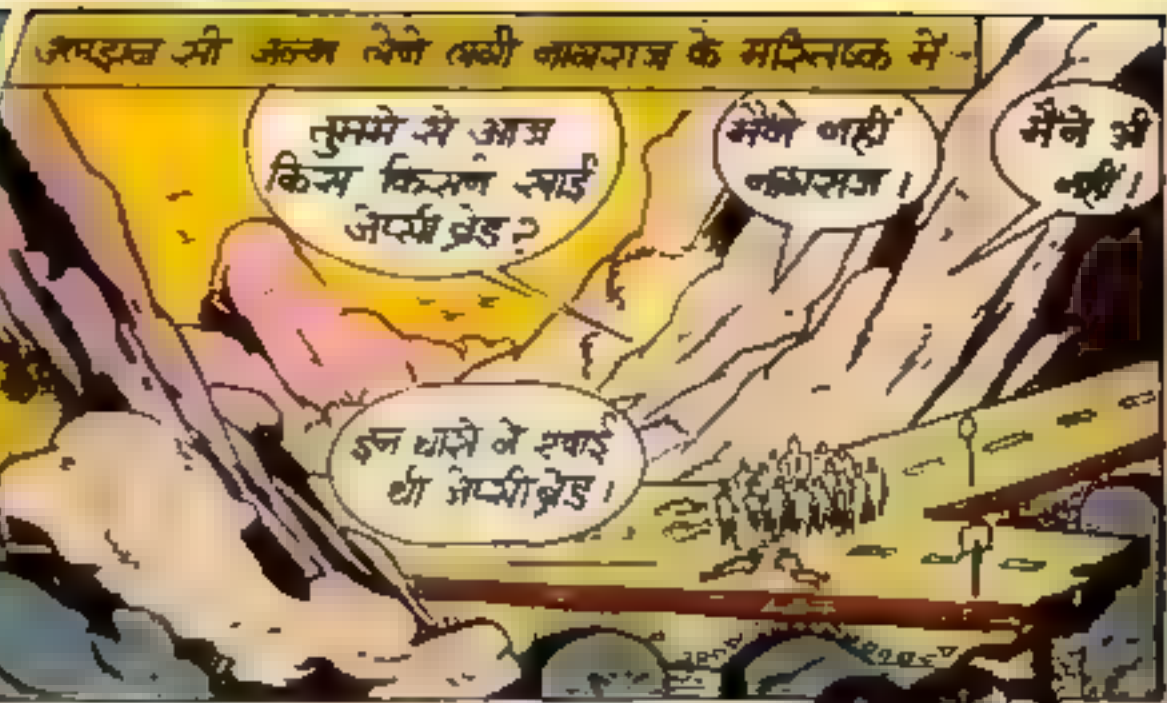






...लेकिन कब आती है और कब थक जाती है जेप्सी, पता ही नहीं चलता।

जेप्सी



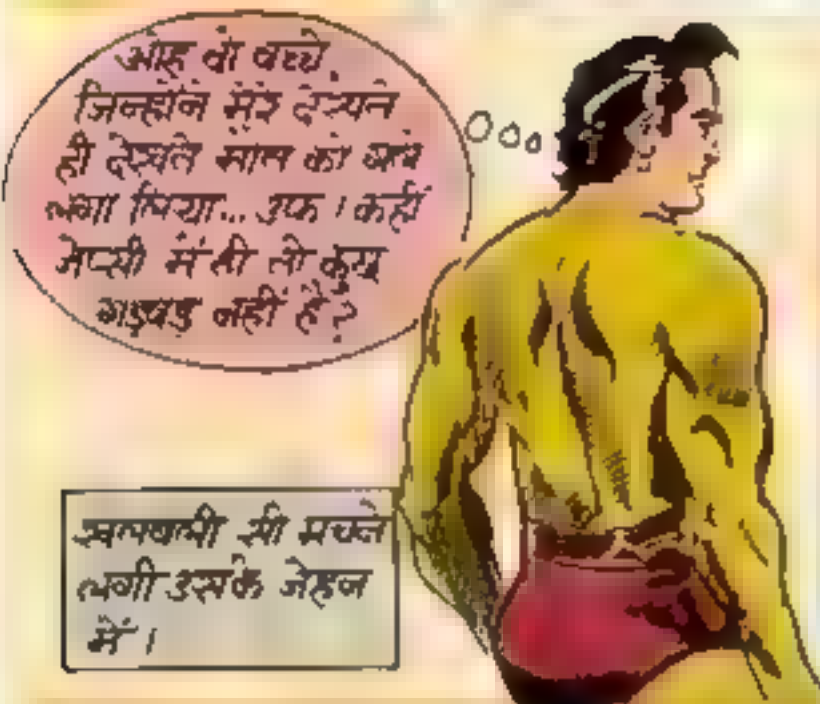
जपान की जल तैरे लकी नागराज के मस्तिष्क में-

तुमसे से आज किस किसने साई जेप्सी ब्रेड?

मैंने नहीं नगराज!

मैंने भी नहीं!

इन घासे ने साई थी जेप्सी ब्रेड!



आह वो वल्ले जिन्होंने मंरे देखने ही देखते मान का अर्थ लगा दिया... एक। कहीं जेप्सी मंरी ले करूँ गाइड नहीं है?

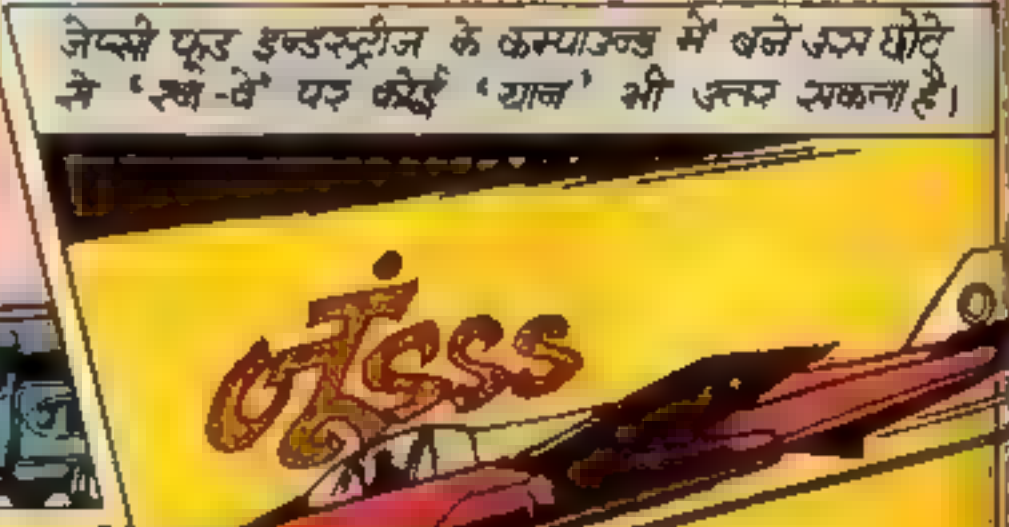
जपान की मंरी लकी उसके जेहन में।



शुक्रिया कहे देखने तुम्हारा बहुत-बहुत शुक्रिया, नगराज की सोचने की एक दिया दी तुम्हारे।



एक फूड इंडस्ट्रीज, जल मस्तिष्क!



जेप्सी फूड इंडस्ट्रीज के कम्पाउन्ड में बने उस छोटे से 'ख-वे' पर कोई 'यात्रा' भी उत्तर सकता है।





यूरोप का सबसे खतरनाक वैज्ञानिक 'डॉन' था  
उस शान में -

'सर - डॉन' का  
स्वागत है!

कहो फ्रांसिस्को!  
कैसे हो?

सर डॉन और उसके शान के विषय में जल्द के विषय पढ़ें - 'नागराज और राजमहल की खोज'

अच्छा हैं सर डॉन, लेकिन कसाव का  
है आपका ये शान। प्रकाश की गति से  
धमना है, यहां तक कि गडार  
तक इसके सामने में धोखा  
जाते हैं।

इसके पिता हम  
अच्छे हैं फ्रांसिस्को। दुनिया  
भर में 'जैप्पी' के साथ शान -  
मेरिनो में काली है...

... जैप्पी की डिप्लोमी  
के लिए हमें एक घण्टे  
में पूरे संस्कार का  
खकड़ भगाना पड़ रहा  
है। शक्ति इस शान के  
बिना मुश्किल ही  
नहीं असम्भव है।

आज हमें जैप्पी  
की फुल रिपोर्ट लेनी  
है विश्व भर में कैसे  
अपने एजेंटों से।

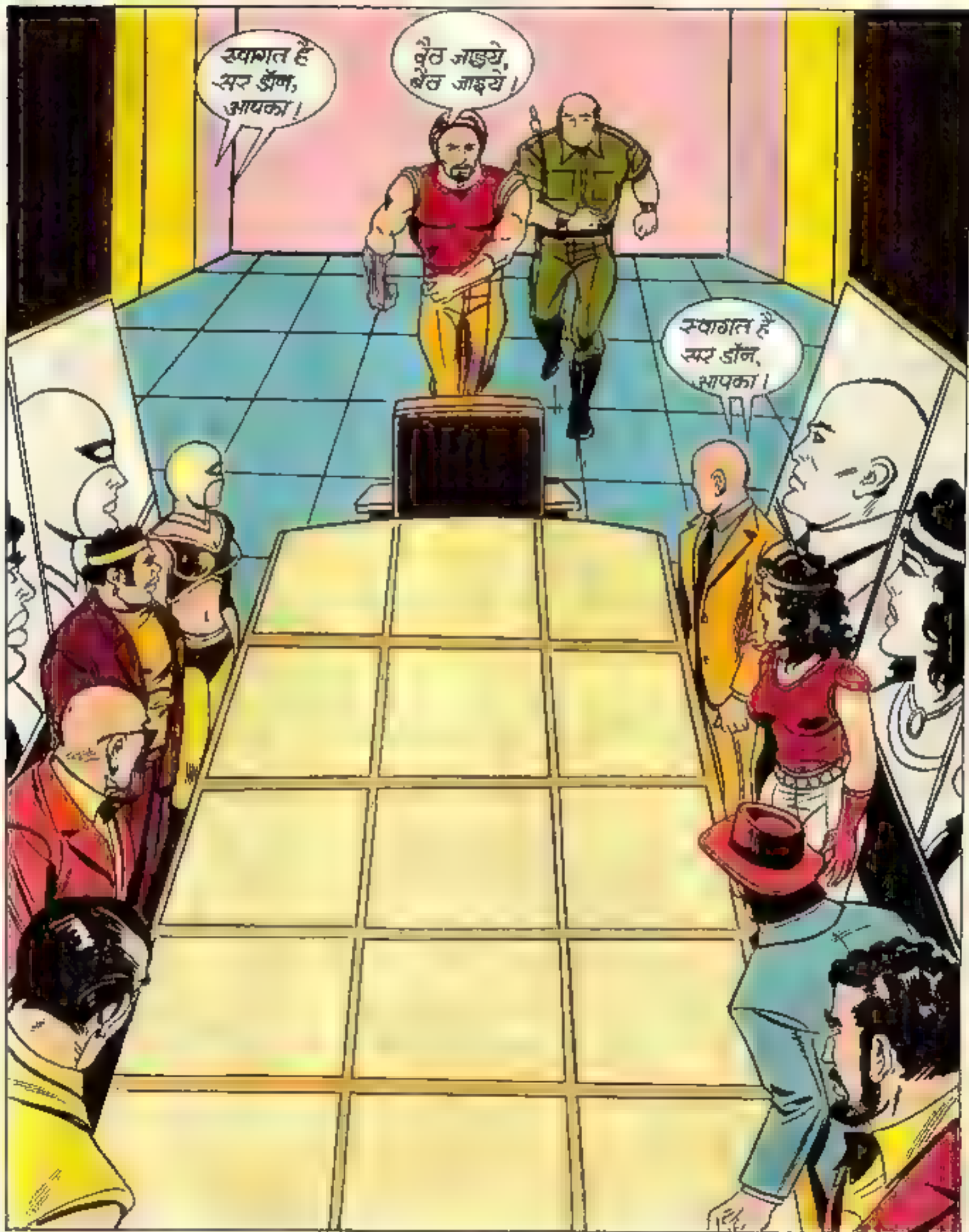
सब लेख  
रिपोर्टिंग क्रम  
में आपका ही  
इंतजार कर रहे  
हैं, सर डॉन!



ओह!

REPORTING ROOM

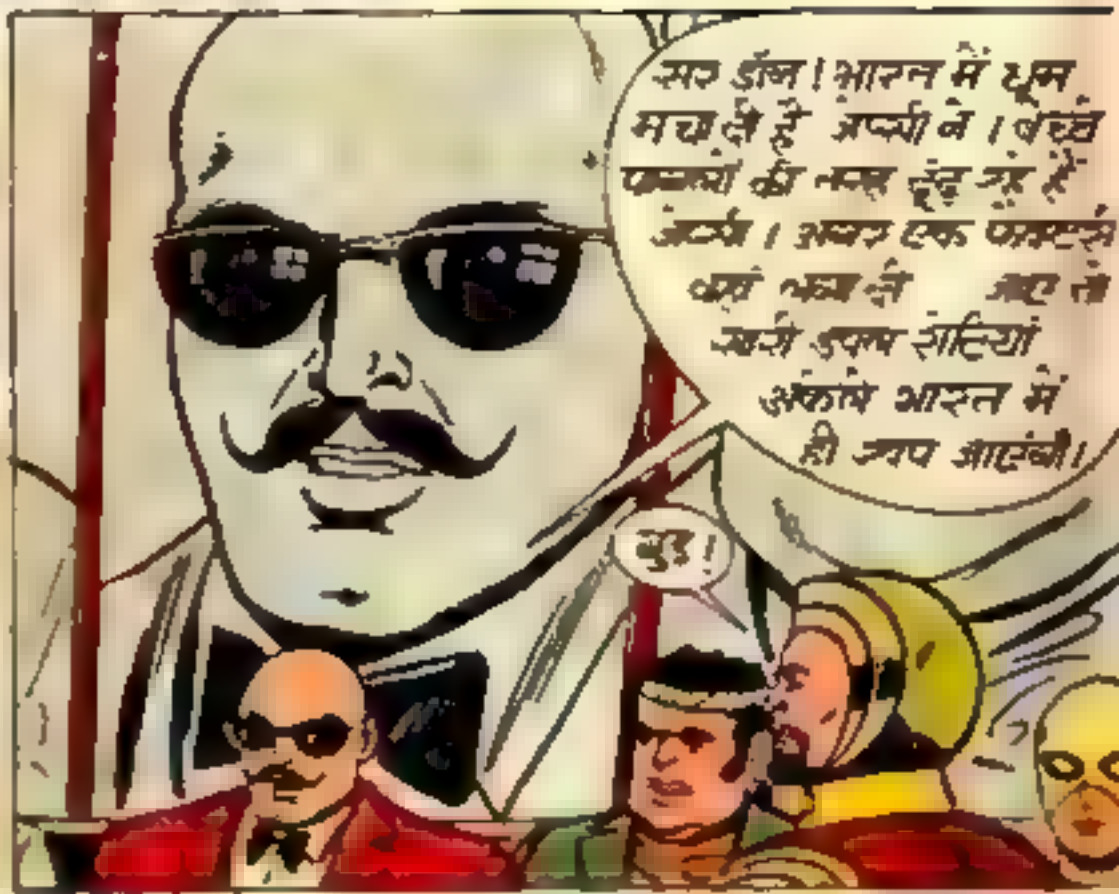








जब तक  
अपने-अपने  
एशिया की अपनी  
रिपोर्टें पेश करें।



सर डॉन! भारत में धूम  
मचा दी है जैसी ने। वहाँ  
पत्थरों की नक्कलें हैं  
जैसी। अगर एक पत्थर  
का कब्र ले जाए तो  
सबसे इतने सेंटियां  
अंकित भारत में  
ही जग आएंगी।

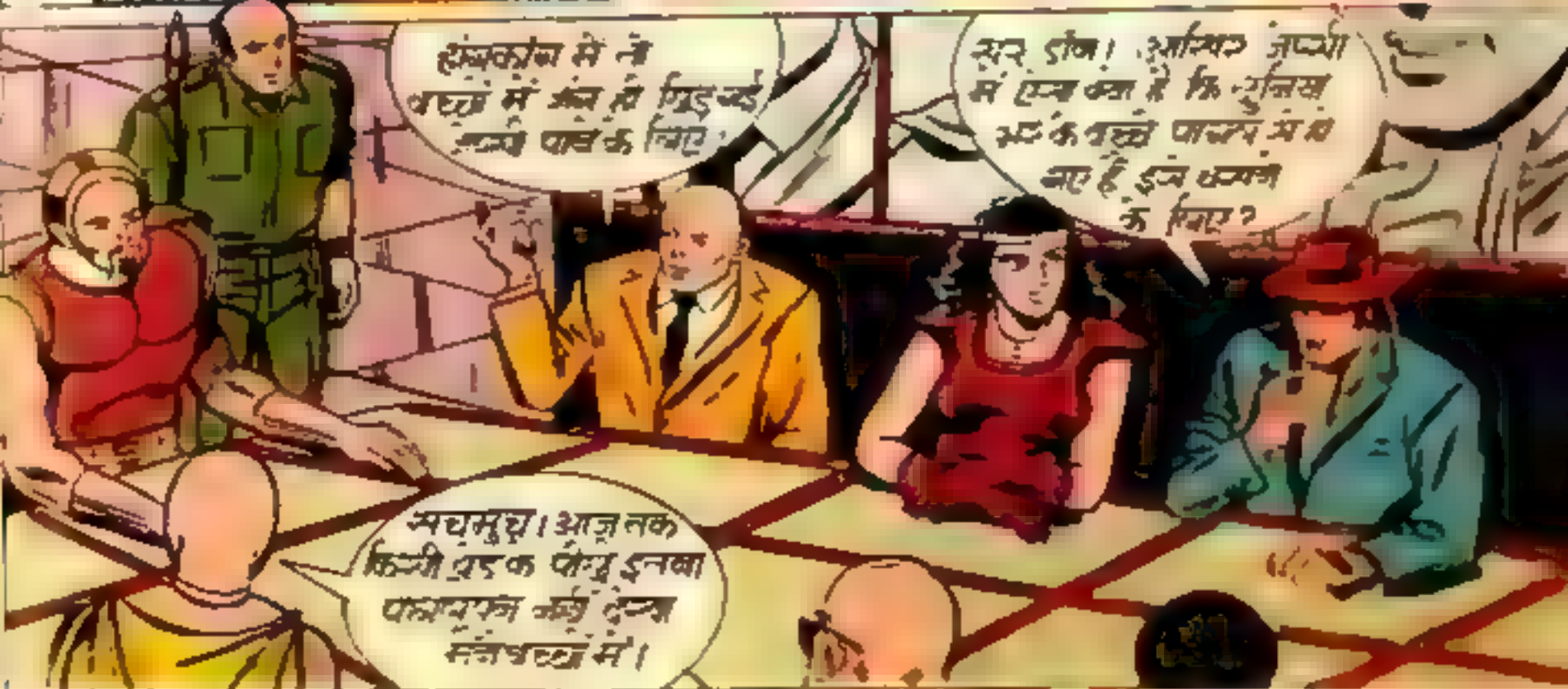
बुड!



युद्धास्त्रिया के  
धत्तों का भी  
वही हथ है  
सर डॉन।



पेरिस में तो सत का  
ही प्रतीक बन चुका है पत्थरों  
का। अगर हम ही जैसी हैं  
जैसी हैं!



हमारे पास में तो  
वहाँ में अब ही गिद्ध  
जैसी पावक लिए

सर डॉन! आखिर जैसी  
में एक का है कि नुसल  
अपने वहाँ पावक में  
आ है इतने धूम  
के लिए?

अधमुर। आज तक  
किसी एक पत्थर इनका  
पत्थर का जैसी देखा  
संभव नहीं है।



जवाब में सर डॉन ने भगाया एक विजयी अट्टहास -



हा  
हा  
हा

सर डॉन से प्रहल करने की हिम्मत कैसे पड़ी तुम्हारी ?

स... ऑप्सी सर डॉन !



अब मैं ही फल कलश हो गई इसकी मुस्क मुझ -



अब आप लोग जा सकते हैं। समय पड़ने पर हम फिर आपको यहाँ बुलायेंगे।



अपने शक्त की तरफ हम सर डॉन -

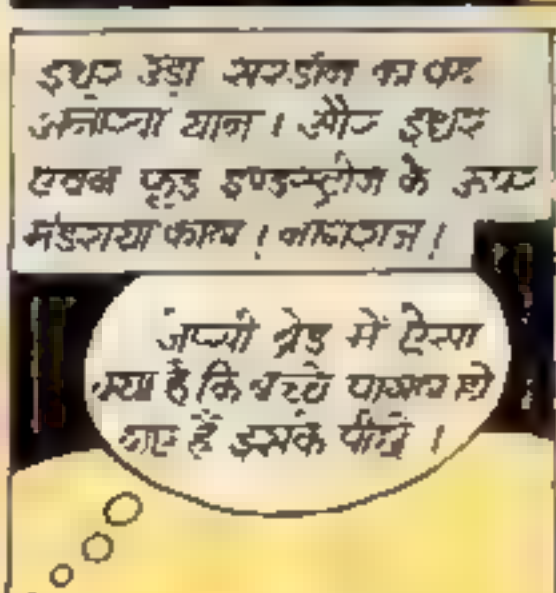
अच्छा प्रॉपियरको! इस समय एक बेहत जकरी कार्य से हमें मिस के पिनामिडो में फाँसना है।



तब तक इन्फ्र-शेलियों की नई स्वेप नेगा हो चुकी होगी सर डॉन !

इधर उड़ा सर डॉन का वह अज्ञाना यान। और इधर एवम फूड इण्डस्ट्रीज के ऊपर मंडराया काग। नागराज !

जप्यी ब्रेड में ऐसा म्या है कि बच्चे पाक हो गए हैं इसके पीछे।



बच्चों में आत्म-हत्या का क्रमाद इज्जी ब्रेड को खाने से चल रहा है।







जेप्पी की तरह  
तक पहुंचना हीचा  
मुझे।

नागराज! ००

फ्रांसिस्को के हांडा उड़  
गाए थे उस इन्जिन को  
दबकर।

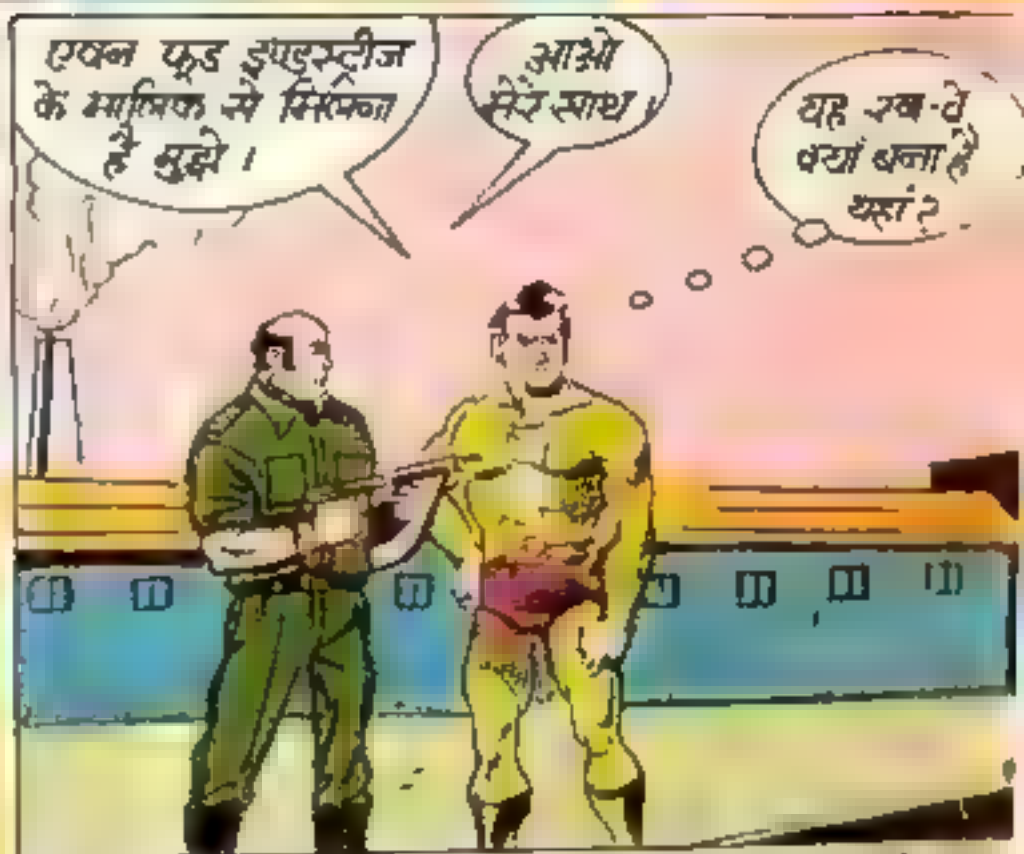


नागराज ने पुकारा तो सांस तक रुक गई उसकी-

ऐ! सुनो। क्या  
नाम है तुम्हारा?

फ...  
फ्रांसिस्को।

नागराज यहां  
क्या करने आया  
है? उफ!



एकन फूड इण्डस्ट्रीज  
के मॉनिग से मिलना  
है मुझे।

आओ  
मेरे साथ।

यह सब-वे  
क्या बना है  
यहां?

नागराज की बिनाह से छिपकर वह कच्चाई वाली का  
एक गुप्त वर्कन दबा चुका था।



अ मुझे पहचान चुका है। इसके  
घेहते की एवगहल इस जल की धुलाई  
जा रही है। इसका मतलब मे तब  
जबकि पर आ पहुंचा है।



आओ  
नागराज।

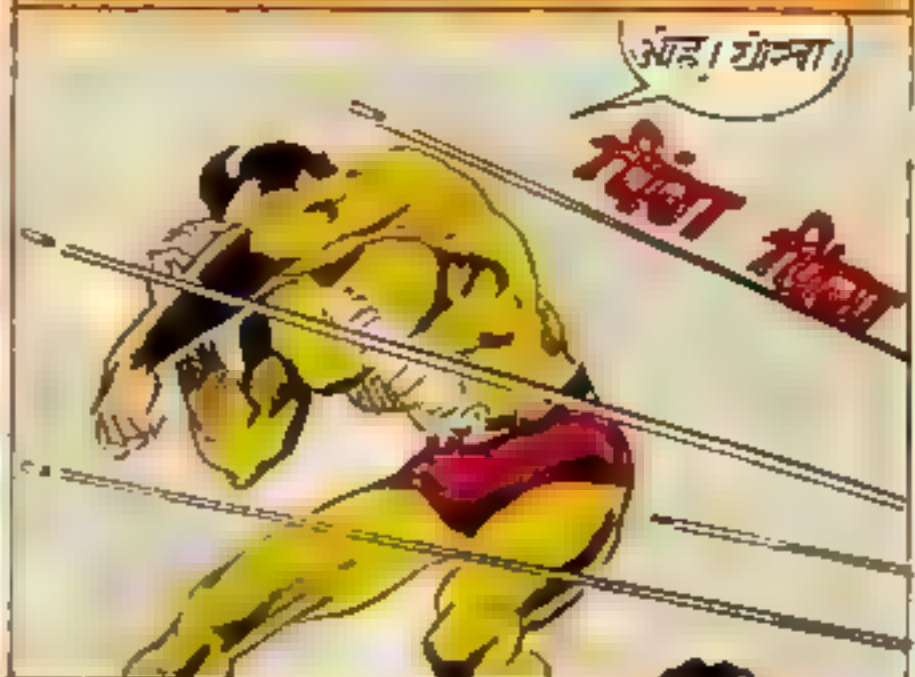
ये कमी है  
ता रहा है  
मुझे।



और कम ! यही एक बड़ा नायक है ।

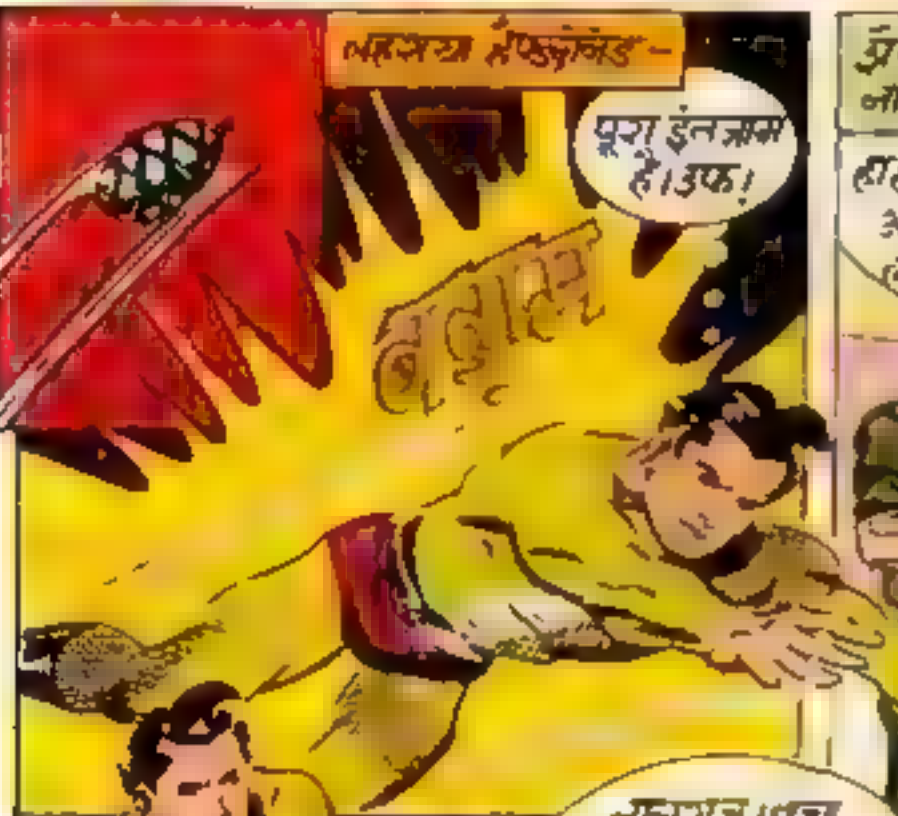


याने नरक में ब्रह्म नहीं जाँक्यों ही बानियाँ -



नायक है फुल्लेनड -

पूरा इंटरनेट है। उफ!



अंतर्गत ने घर मिरा नायक को -

हाहाहा नायक! यहां आकर अपनी मौत धुन ली है तुमने ।

या डोन को नायक का मिर उपहार मारपड़ने ।



नायक! वच मन पार । क्योंकि मुझे दूसरा पार करने का जरूरत नहीं पड़नी ।



अपने मित्रों की चिन्ता नहीं है क्या तुम्हें, मुझे!

नायक का मिर कालना मुझे बच्चों का जग समझ मिर है क्या बच्चे ?

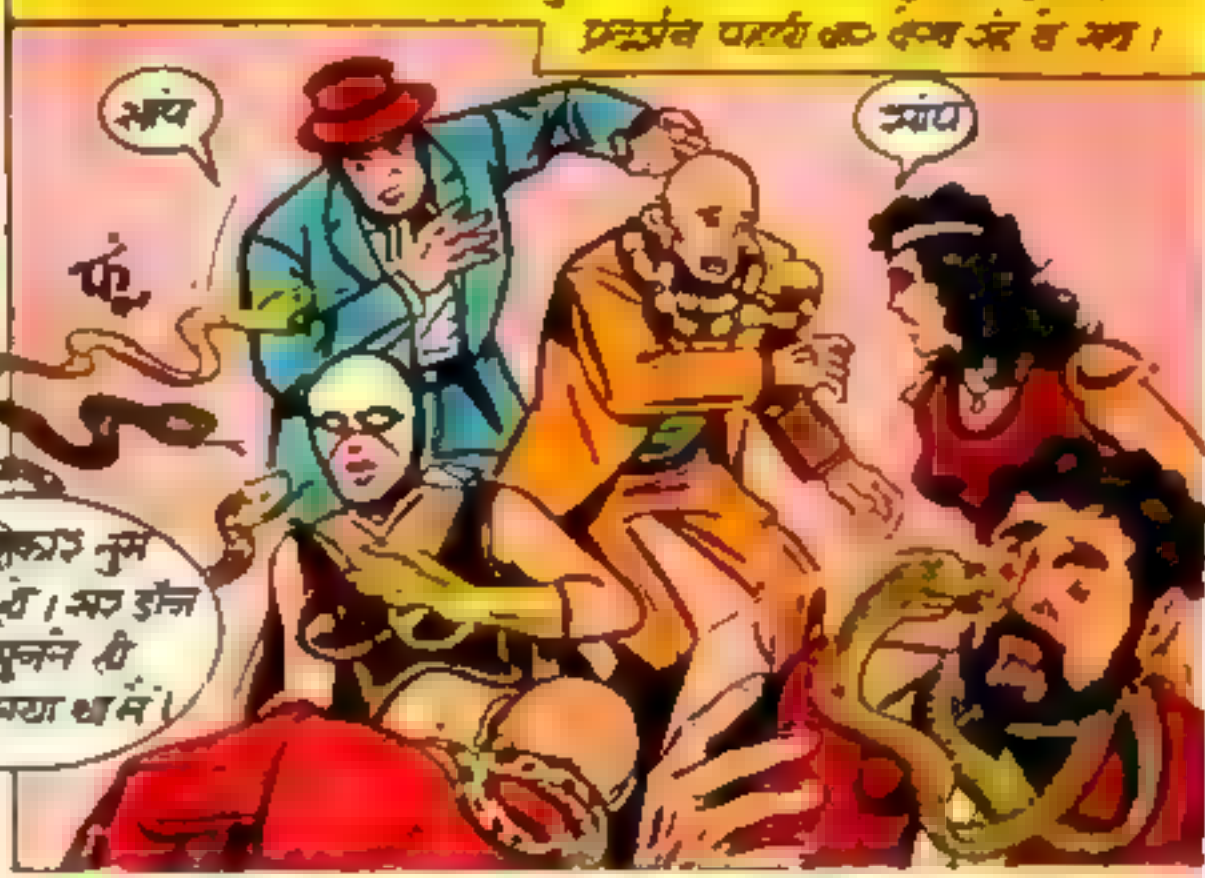






वाकनत्र की जगह में ह -

आजकल वाकनत्र का काम ही मुझ का जगह है। आज मुझी जगह का फायदा पारो का दम जगह है मम।







अच्छा हटा लूंगा।  
सर डील अहां क्या  
बुलबुला रहा है,  
फिर तुम ये  
कहाओ।

यह बकवास  
हैं इस वृत्त में  
कुछ नहीं माफूम



सर डील वहां से पूरे  
मंजूर में 'जेपरी' बड़े  
डिप्रीवेट कर रहे हैं। इससे  
ज्यादा हममें से कोई  
नहीं जानता बकवास!



इस समय कहाँ  
हैं सर डील?

म... मित्रों के  
पिरामिडों में।

दूसरा अद्वयन इतका लम्बा नाबालाज को।

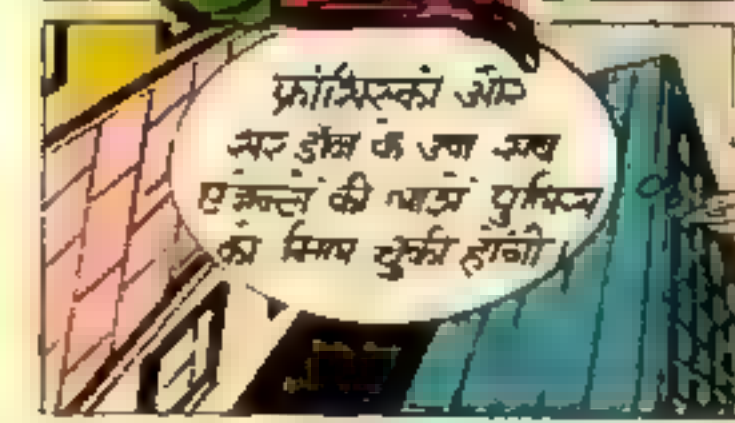


मित्रों के  
पिरामिड।

... सर डील वहां  
पिरामिडों में क्या  
कर रहा है?



और फिर जब बकवास वहां से दया तो एकच फूट इण्डस्ट्रीज  
का अर्ध-अर्ध पुलिस के कठजे में ला।



फ्रांसिस्को और  
सर डील के जो अब  
एकल की भाग्य पुलिस  
का सिंग चुकी होंगी।



एक बार फिर मंडरा ज़ुआबा वायव्यमय मित्र  
के पिरामिडों की ध्वजा के रूप में -

पिरामिडों की ध्वजा  
के चप-चप में ध्वजा  
है सोइली। मंडरा नक  
धरी वे जायेंगे मुझे।

पिरामिडों के उस रहस्यमय संसार के वर्त में -



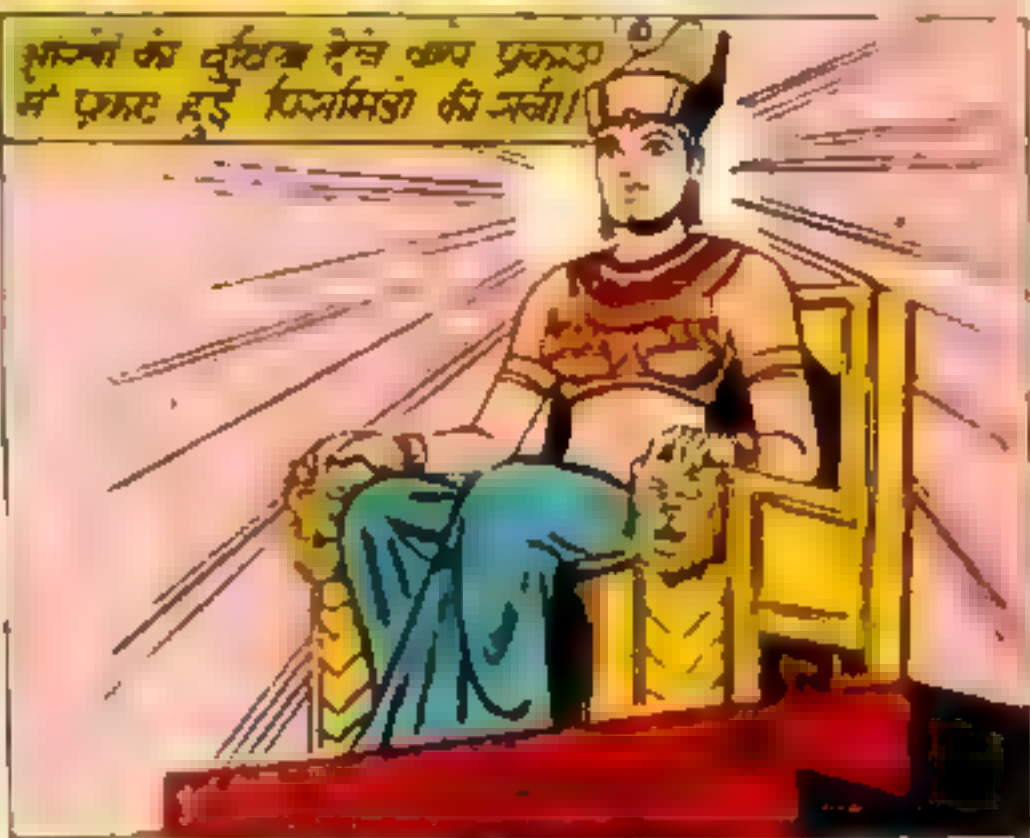
हैं अब 40 अर्कदृष्टों में भी अधिक वर्त में  
असुर्य मित्र के हि मध्य के हुए हैं।



मंडरा। आपका स्वागत  
करता है पिरामिडों की रानी  
फिरा के राज महल नुनेल  
स्वागत की अर्धनिर्मा-  
रानी अर्धनिर्मा!



मंडरा के वृद्ध देव के प्रकाश  
में प्रकाश हुई पिरामिडों की रानी।

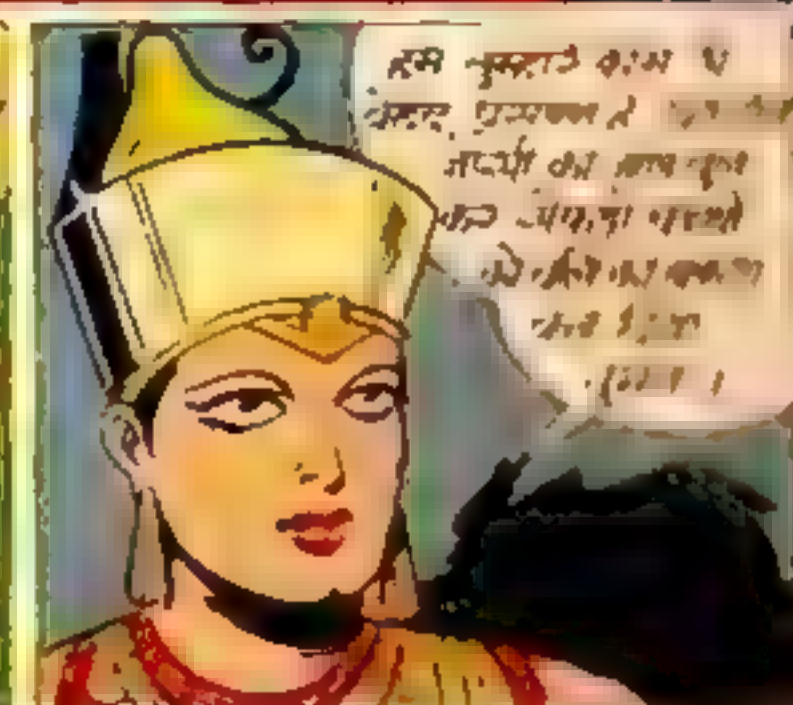


अब नक इनके लक्षण के मुने की अर्ध  
अर्ध न। अब चप-चप पिरामिडों की रानी  
के देवक-भायका या हो अर्ध न -

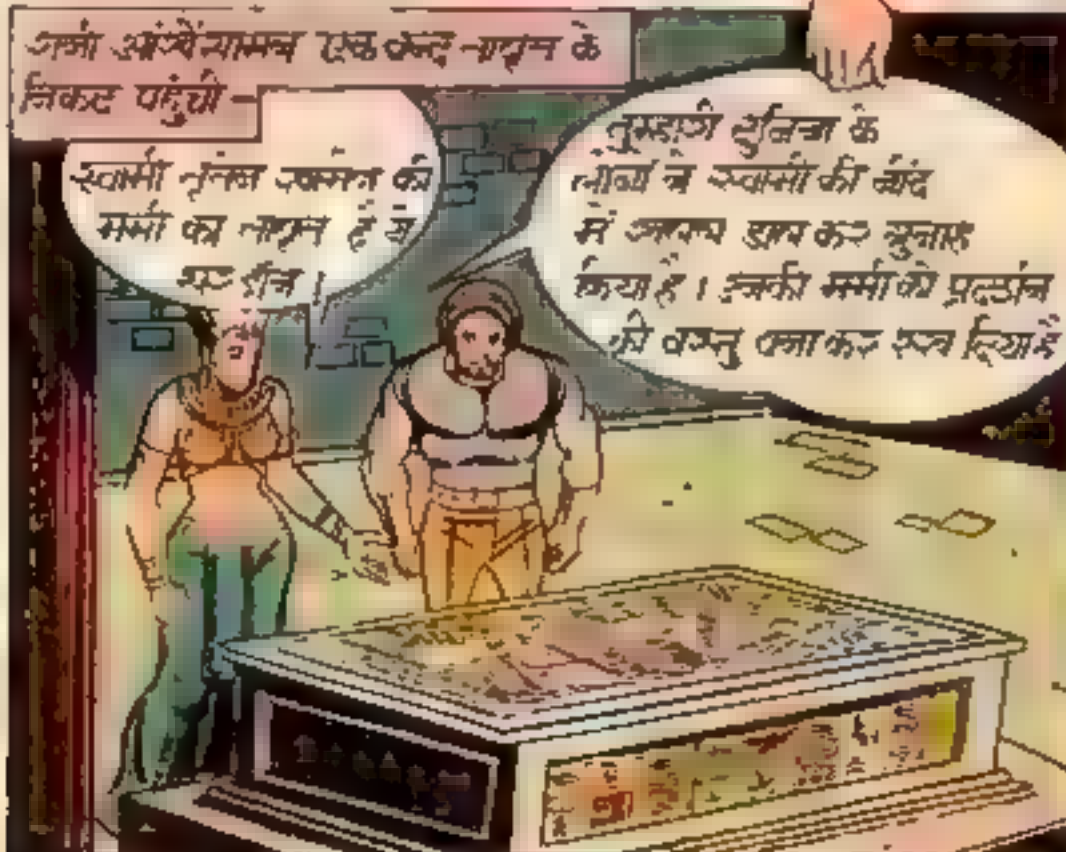
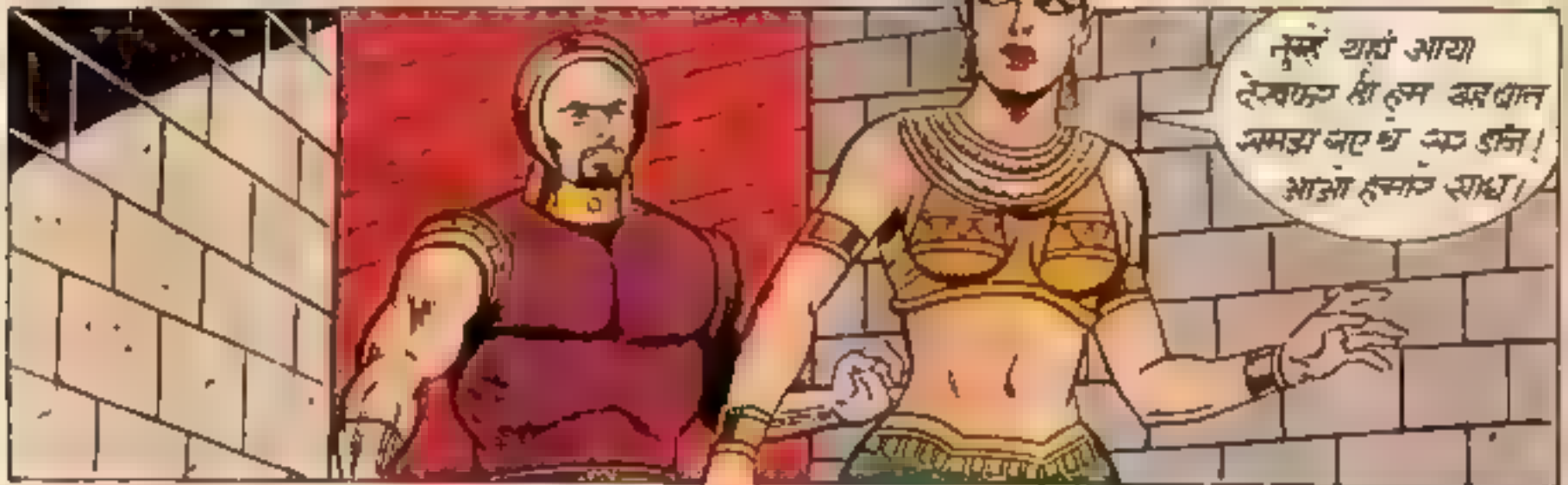


पिरामिडों की  
रानी अर्धनिर्मा के  
संदर्भ का प्रकाश।

हम मुद्रा के अर्ध  
अर्ध प्रकाश के अर्ध  
अर्ध के अर्ध प्रकाश  
अर्ध के अर्ध प्रकाश  
अर्ध के अर्ध प्रकाश  
अर्ध के अर्ध प्रकाश











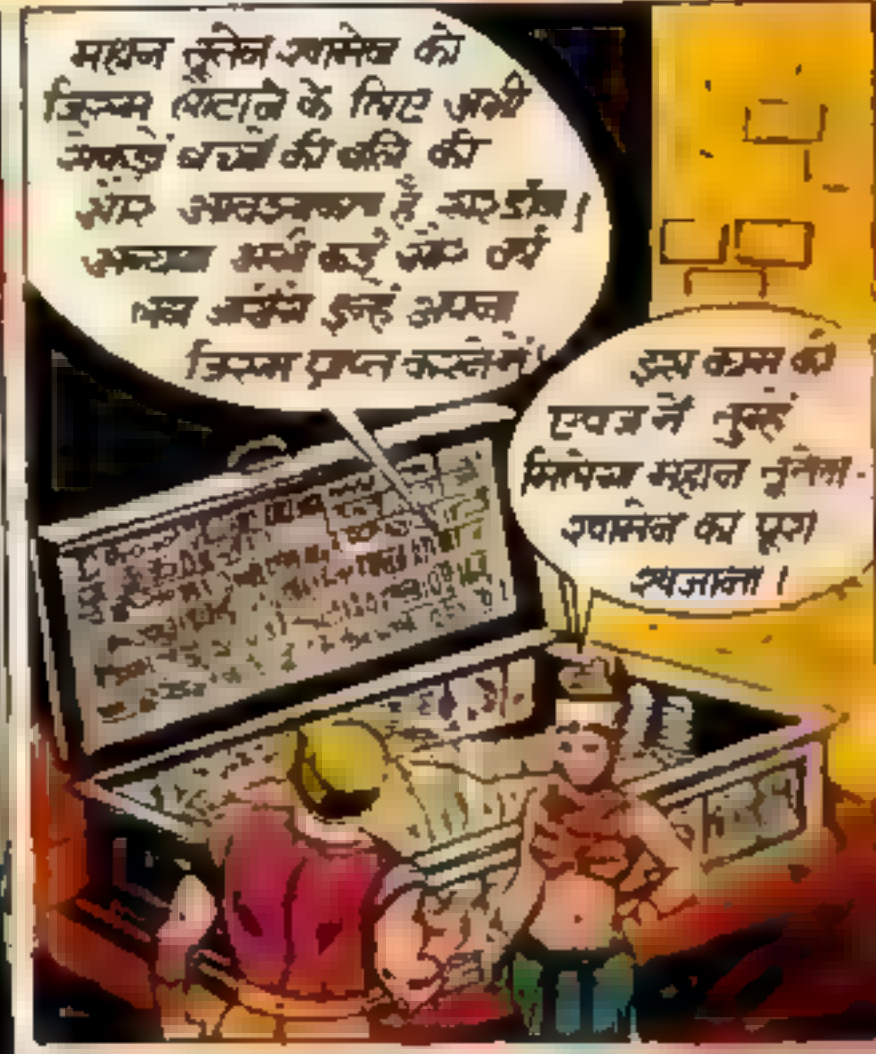
— जिसका केवल एक दृष्ट  
में सर्व सही ज्ञान है —  
एक ज्ञान जो मुझे महान  
नृत्य ज्ञान का देता है  
अपूर्ण मानव प्रजाति!



अह देखो अरुण !  
तुम भी देखो, अपनी  
नृत्य ज्ञान को



— जीवन होना है  
अभी इन्होंने



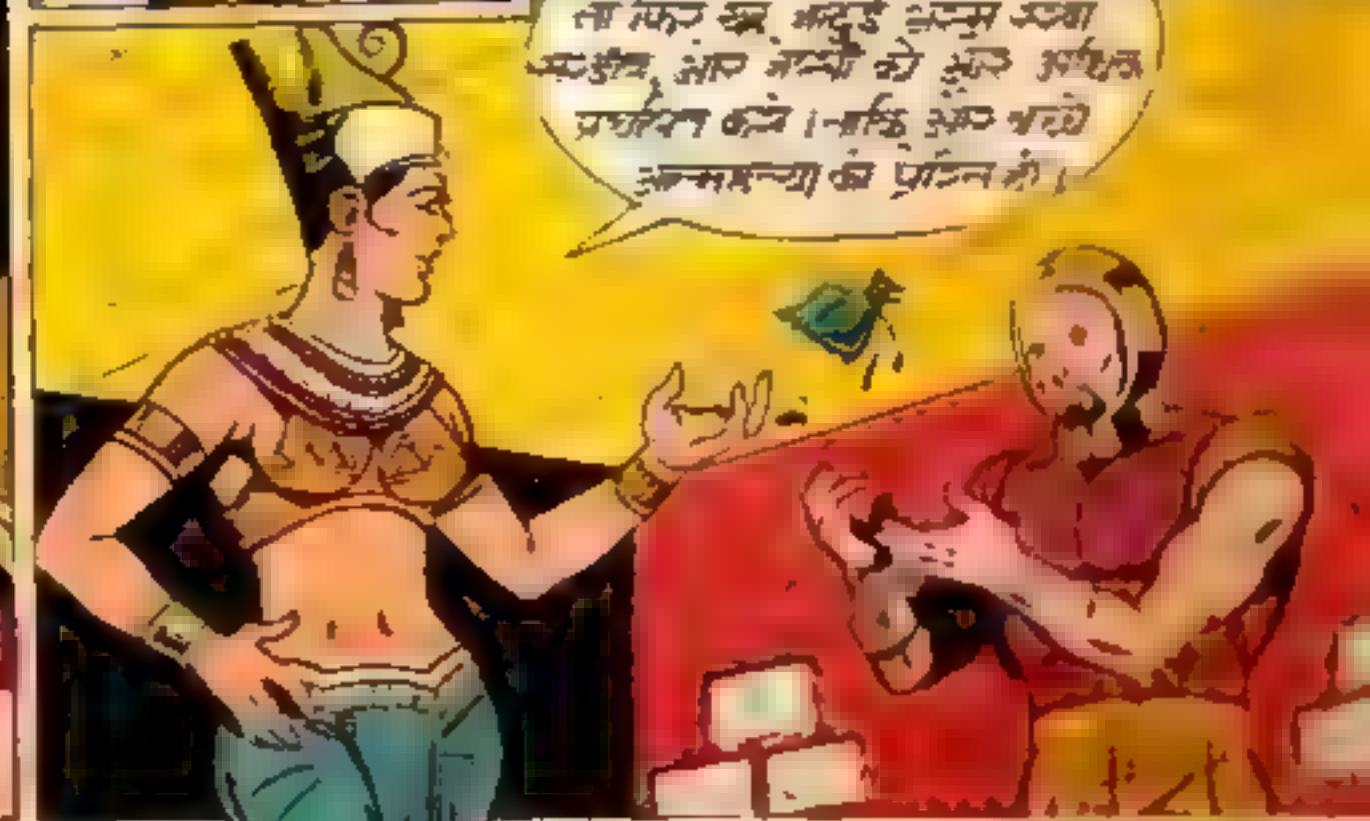
महान नृत्य ज्ञान को  
जिसमें पिता के लिए अभी  
अच्छे वक्त की वक्त की  
आप अवसर है आइए !  
अच्छा अभी कई जो जो  
नृत्य ज्ञान इन्हें अज्ञान  
जिसमें प्राप्त करने में

इस काम को  
एवम ने नृत्य  
मिथिला महान नृत्य  
ज्ञान का पूरा  
संजाला !



आप फिर न करें  
पितृमित्र की गति । मैं  
इस काम को पूरा करने  
में दिन-रात एक कर  
दूंगा । अज्ञान महान  
नृत्य ज्ञान हस्त  
से मिले हैं ।

यह — 'नामधर और  
ताम्रमहा की घंटी'



शक्ति आर्थिक ज्ञान ने अपनी कमर पर धीरे-धीरे  
पिता की अज्ञान अज्ञान फेंकी जो राज की नीति  
तो फिर अब बहुत अज्ञान ज्ञान  
अज्ञान, जो नृत्य को अज्ञान अज्ञान  
प्रदर्शन करें । नकि अब नृत्य  
अज्ञान का प्रदर्शन है ।

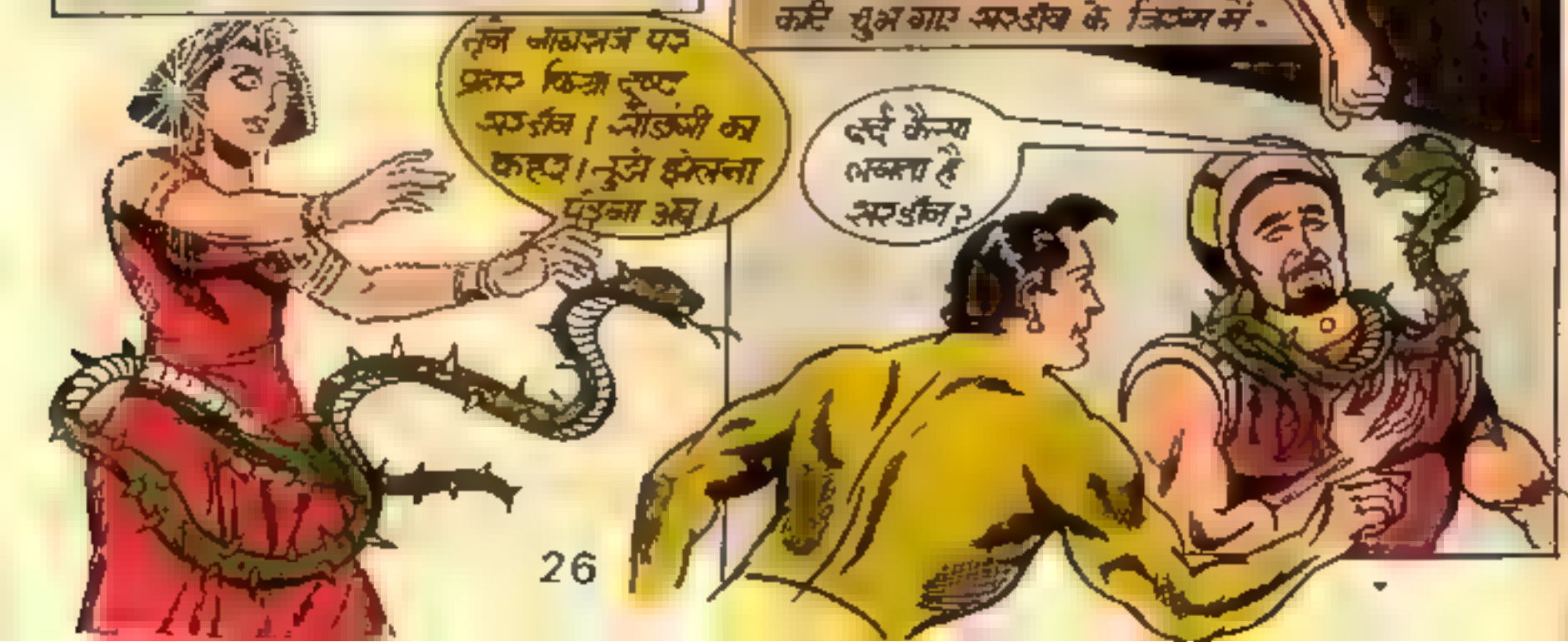


लेकिन यह क्या? अस्म ने पहुंच कर किसी और हाथ में।



यह देख क्रोध से फलम हो उठी आंडांजी -

आंडांजी के जिन्म पर उसे सैकड़ों कटि चुभ गए सरडीय के जिन्म में.





जब अनेक-अनेक का विचार कर-



काम कर रहा था वह अनेक-अनेक के विचारों में -



काम कर रहे थे वे ही विचारों में थे जिनमें से भी लोग की तरह विचार नहीं है।



जब इनके भी सोचने में यकीन कर दिया -

ऐसा ही। नरे निम्न में उनका यह नहीं है किन्तु न मरने का मतलब है।





कुद ही कबो मे धमकी  
एक नए पक्ष प्रकट  
का बेजबान विप्लव-



हैम पक्षी हॉर्नेट्स -

महाराज को मजबूत  
मे लुक्कल्लू नये किता  
है, महाराज की धारा  
विप्लव पूरा करनेवा  
आ जमे मे।



महाराज विप्लवों की नयी हॉर्नेट्स की बहुत उड़ानों  
की प्रकट का प्रकट -



महाराज! उम्हो  
हैंने की धारा मे  
नयी हॉर्नेट्स!



उम्हो हैंने!  
उफ!

महाराज ने मुझे मार डाला और मुझे हैंने के विप्लव मे।

महाराज ने मुझे मार डाला!



महाराज के विप्लव मे लिपक गए हैंने हैंने -



उफ!

हैंने हैंने





क्या जैसे भयानक आवाज़ें निकल रही थीं -



पिरामिडों की शक्ति की अपार शक्ति का उदाहरण हमें यहाँ पिरामिडों की शक्ति -



पिरामिडों की शक्ति ने ही ऐसा कई कर -



पिरामिडों की शक्ति ने ज़रूर ऐसा-जैसा कर -



नागराज ने फिर दुबारा बोली कि मैं -





तीक्ष्ण पिघ के प्रभाव ने चींटों का जन्म दिया -

कुछ क्षणों बाद आजाद राजा या नागराज रैमो चींटों की कैद से -

आंखें स्वामित्र के इशारे से लिफ्ट वह नागराज के जिम्मे में गया करने वाले सैंकड़ों सर्प -



अब आंखें-  
स्वामित्र रूच  
ना पाएगी  
मुझसे।

नहीं रुक!  
बचाओ:-

मुझे तो तेरे जैसा  
छोटे मोल न दे सके,  
किन्तु तुझे ये सर्प  
जल्द मार  
दायेंगे।

मरती हुई आंखें स्वामित्र के सिर से निकले अंतिम शब्द।

नागराज, मेरी मौत का  
कदवा मारना मुझे स्वामित्र  
तुझसे जरूर लेवे। तैयार  
रहना, अपनी जीप पूरी  
करते ही वे आएंगे।  
अह!



नागराज नृतेज स्वामित्र के लापन की सोच रहा -



अरे! नृतेज स्वामित्र  
का लापन कसब हो  
रहा है।

इस प्रकार विजय से जैप्सी का आतंक समाप्त किया  
नागराज ने और फिर निकल पड़ा अपने अकल  
सफल पर।



देखते ही देखते जा रहा हो बड़ा महाब्र नृतेज का लापन।